

ऑयल का ट्रांसपोर्टेशन अवरुद्ध होने के भय से ही ऑयल की कीमत में 14 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है

और अगर “स्ट्रेट ऑफ होरमुज”, जिसके मार्फत विश्व का 20 प्रतिशत ऑयल ट्रांसपोर्ट होता है, वाकई में अवरुद्ध हो गया तो ऑयल का अंतर्राष्ट्रीय मूल्य 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर सौ से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 14 जून। इजराइल और ईरान के बीच खुला संघर्ष छिड़ने से वैश्विक तेल बाज़ार अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि अब तक किसी टैंकर पर हमला नहीं हुआ है और उत्पादन केंद्र भी सुरक्षित हैं, फिर भी केवल मनोवैज्ञानिक प्रभाव से ही कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि हो गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 14 प्रतिशत बढ़ गयी है, और इसका मूल्य 70 डॉलर प्रति बैरल था, युद्ध शुरू होने के बाद 80 डॉलर के करीब पहुँच गया है।
इस मूल्य वृद्धि का कारण अभी तक तेल की कमी नहीं है, बल्कि बढ़ते जोखिम के कारण ऐसा हुआ है। इन आशंकाओं का मुख्य केंद्र है होरमुज की खाड़ी, जहाँ से विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस का परिवहन होता है। यहाँ किसी भी

- अभी ऑयल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से 80 डॉलर प्रति बैरल पहुँचने से ही भारत की इकॉनमी को भारी झटका लगा है, जिसे संभालने में ही पसीने छूट गये और अगर कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल हो गई तो भारत की इकॉनमी “क्रैश” होने की संभावना यथार्थ में परिवर्तित होगी।
- हालांकि, भारत ने पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान से तेल खरीदना काफी कम, लगभग बंद ही कर दिया था। भारत “डिस्काउन्टेड कीमत” पर, रूस से ऑयल खरीद रहा था, पर, “डिस्काउन्टेड कीमत” भी अंतर्राष्ट्रीय ऑयल प्रॉइस के अनुसार, घटती-बढ़ती तो है ही।
- अतः ऑयल प्रॉइस बढ़ने से देश में ट्रांसपोर्टेशन खर्च, पैकेजिंग खर्च, कृषि (खाद आदि) व कैमिकल्स की कीमत आसमान छूने लगेगी।

प्रकार का व्यवधान, चाहे वह ईरानी नाकेबंदी, माईस लगाना हो या लक्षित

हमले हों, कीमतों को तुरंत 100 डॉलर प्रति बैरल या उससे अधिक तक पहुँचा सकता है। वैश्विक कम्पेडिटी व्यापारी, शिपिंग बीमा कंपनियाँ और नीति निर्माता पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं, क्योंकि एक भी चूक से तेल आपूर्ति व्यवस्था में अफरा तफरी मच सकती है।
भारत पर इसका प्रभाव सबसे जल्दी और बहुत गंभीर होगा। भारत अब भी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात करता है, और हालाँकि ईरान से प्रत्यक्ष आयात हाल के वर्षों में अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते कम हुआ है, फिर भी हमारा देश वैश्विक तेल मूल्यों में उतार-चढ़ाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना हुआ है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें भारत के बजट घाटे को बढ़ाएंगी, रुपये को कमजोर करेंगी, और महंगाई बढ़ेगी। और वो भी तब ऐसे समय में जब देश कोविड के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 14 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर, उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त काजू उर्फ राजू कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख तीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति के खिलाफ जाकर उसके साथ कई बार संबंध बनाए। ऐसे में उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

- पीड़िता का अपहरण कर अभियुक्त उसे अहमदाबाद ले गया और कई बार दुष्कर्म किया।
- लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 7 फरवरी, 2023 को करघनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि उसकी नाबालिग बेटी गत 1 फरवरी को चावल खरीदने के लिए बाजार गई थी, लेकिन उसका अभी तक पता नहीं चला है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ दिनों के बाद अहमदाबाद से पीड़िता को बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया था। पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त ने उसे वैद्य जी का चौराहा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान का महेश कुमार नीट-यूजी ऑल इंडिया टॉपर

हनुमानगढ़ के महेश कुमार ने 99.99 परसैंटाइल प्राप्त किए

नयी दिल्ली, 14 जून। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को अंडरप्रेजुएट मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 का परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया, जिसमें 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं।
इस साल राजस्थान के महेश कुमार ने 99.99 परसैंटाइल हासिल कर टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। वहीं, मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया को दूसरा स्थान और महाराष्ट्र के कृष्णा जोशी को तीसरा स्थान मिला है। लड़कियों में अविका अग्रवाल ने सबसे ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं।
इस बार कटऑफ में 18 अंकों की कमी देखी गई। एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के लिए ने सभी श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर भी जारी किया है। इस वर्ष सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कटऑफ स्कोर 686 से 144 के बीच निर्धारित किया गया है। वहीं, जनरल श्रेणी के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए यह कटऑफ स्कोर 143 से 127 के बीच है। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी)

- दूसरा स्थान मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया व तीसरा स्थान महाराष्ट्र के कृष्णा जोशी को मिला। लड़कियों में अविका अग्रवाल ने टॉप किया है।
- नीट यूजी परीक्षा चार मई को आयोजित की गई थी और इसमें 12.36 लाख विद्यार्थी पास हुए हैं।
- इस वर्ष कट ऑफ में 18 अंकों की गिरावट देखी गई। सामान्य वर्ग की कट ऑफ 686-144 अंक के बीच है। ओबीसी, एससी, एसटी की कट ऑफ 143 से 113 के बीच है। जनरल वर्ग के दिव्यांग व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की कट ऑफ 143 से 127 के बीच व एससी, एसटी व ओबीसी वर्ग के दिव्यांगों की कट ऑफ 126 से 113 अंक है।

श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर 143 से 113 के बीच निर्धारित है। अनुसूचित जाति, जन जाति व ओबीसी के दिव्यांगों के लिए कट ऑफ 126 ये 113 के बीच है।
उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2025 की परीक्षा चार मई को आयोजित की गई थी। परीक्षाएं देश के 552 शहरों के 5468 केंद्रों पर 13 भाषाओं में आयोजित हुई थी। देश के बाहर यह परीक्षा 14 शहरों में आयोजित की गयी, जिनमें आबू धाबी, दुबई, बैकॉक, कोलंबो, दोहा, काठमांडू, कुआलालंपुर, कुवैत सिटी, लागोस, मनामा, मस्कट, रियाद, शारजाह और सिंगापुर शामिल हैं।
इस वर्ष 22 लाख 76 हजार 069 अभ्यर्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था, जबकि कुल 22 लाख नौ हजार 318 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 12 लाख 36 हजार 531 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए।
पिछले वर्ष नीट-यूजी 2024 में 24 लाख छह हजार 079 विद्यार्थी ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था, जबकि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इजरायल-ईरान युद्ध से खाड़ी देशों में कार्यरत 72 लाख भारतीयों की आजीविका व जिन्दगी जुड़ी है

ये भारतीय नागरिक यू.ए.ई., सऊदी अरब, कतर व कुवैत में रहते और कार्य करते हैं

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 14 जून। ईरान इजरायल जंग के आर्थिक दुष्प्रभावों के अलावा, यूएई, सऊदी अरब, क़तर और कुवैत सहित, खाड़ी देशों में रहने वाले 72 लाख से अधिक भारतीयों पर भी इस बढ़ते तनाव का सीधा और अप्रत्यक्ष असर पड़ सकता है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता उनके रोज़गार व सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है, जो भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
इस स्थिति को और बिगाड़ने में वैश्विक शक्तियाँ, विशेष रूप से अमेरिका की भूमिका पर भी विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इजराइल की आक्रामक रणनीति का समर्थन करते हुए इसे ईरान की निरंकुश

- इन भारतीयों की आजीविका, रেমिटेंन्स, व सेफ्टी से भारत के सामाजिक, आर्थिक संतुलन का गहरा संबंध है।
- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा है कि इस युद्ध का कारण, “ईरान की अनियंत्रित न्यूक्लियर महत्वाकांक्षा” है। पर, अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय विचारकर मानते हैं, इजरायल ने कहीं न कहीं वो “रेड लाइन” (लक्ष्मण रेखा) लांघ दी है, अपने आक्रमण से, जिससे एक निर्णायक क्षेत्रीय युद्ध की संभावना प्रबल हो गई है।

परमाणु महत्वाकांक्षाओं के प्रति बढ़ गया है।
आवश्यक प्रतिक्रिया बताया है।
हालांकि, कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि इजराइल की यह सैन्य कार्रवाई एक रेड लाइन पर कर चुकी है, जिससे ईरान की ओर से पलटवार की आशंका और क्षेत्रीय युद्ध का खतरा

सीज़फायर के बाद सीमावर्ती जिलों में किये तबादलों पर पुनर्विचार करें

जयपुर, 14 जून। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एएनएम का सीमावर्ती जिले में किए गए तबादला –आदेश पर नए सिरे से विचार किया जाए। पीठासीन अधिकारी चेतनराम देवड़ा और लेखराज तोसावडा ने ये आदेश कविता की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में अधिवक्ता सुशील कुमार

- राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को आदेश दिये।
- सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि भारत-पाकिस्तान के बीच गत दिनों सीमा पर तनाव हुआ था। भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में बने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की गई थी। इस दौरान, पाकिस्तान ने भी देश में हवाई हमले की कोशिश की थी। ऐसे में राज्य सरकार ने एहतियातन याचिकाकर्ता सहित अन्य लोगों का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस पीढ़ी के युवा वकीलों से सुप्रीम कोर्ट को गंभीर शिकायत है

सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि युवा वकील अपना करियर ट्रायल कोर्ट से शुरू नहीं करना चाहते

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 14 जून। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह चिंता व्यक्त की कि अब अधिकतर युवा वकील अपने करियर की शुरुआत ट्रायल कोर्ट से करने से बच रहे हैं, जिससे उन्हें मुकदमेवाजी की बुनियादी प्रक्रियात्मक (प्रोसीजरल) समझ विकसित करने का अवसर नहीं मिल पाता। अवकाशकालीन पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी ने टिप्पणी की, कि “इस पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे प्रैक्टिस सीखने के लिए ट्रायल कोर्ट जाना ही नहीं चाहते।” इस पीठ में न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले भी शामिल थे। यह टिप्पणी उस समय आई जब एक वकील को सुप्रीम कोर्ट में पैरोल याचिका से संबंधित प्रक्रिया समझनी पड़ी।
यह मामला पॉक्सो (बच्चों के यौन अपराधों से संरक्षण) अधिनियम के

- इस कारण उन्हें कोर्ट की प्रक्रिया से पूरी वाकफियत नहीं होती।
- कोर्ट ने यह टिप्पणी पॉक्सो केस में दस साल की सजा भुगत रहे एक आरोपी की पैरोल याचिका की सुनवाई करते हुए की।

तहत 10 साल की सजा काट रहे एक दोषी की पैरोल याचिका से जुड़ा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहले ही इस याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि आरोपी को सितंबर 2024 में उसकी पत्नी की सर्जरी के लिए 45 दिन की पैरोल पहले ही दी जा चुकी थी। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि उस समय होमोग्लोबिन की कमी के कारण उसकी पत्नी की सर्जरी नहीं हो सकी थी, और अब सर्जरी 16 जून को तय की गई है। वकील ने यह भी कहा कि सर्जरी के बाद पत्नी की देखभाल और नाबालिग बच्चों

कारणों को समझाया जाए, और फिर पैरोल आदेश प्राप्त किए जाएँ – लेकिन यह प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।”
एक सप्ताह की पैरोल देते हुए न्यायालय ने कहा, “हम इस स्तर पर यह नहीं कह रहे हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उच्च न्यायालय या सुप्रीम कोर्ट में सीधे याचिका दायर करना सही है या नहीं।”
जब याचिकाकर्ता के वकील ने राहत अवधि को दो सप्ताह तक बढ़ाने का अनुरोध किया, तो न्यायमूर्ति भट्टी ने स्पष्ट किया कि यह आदेश उनके साथी न्यायाधीश के आग्रह पर ही पारित किया गया है – यह संकेत देते हुए कि वे खुद इसे खारिज कर देंगे। हालांकि पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता आगे संबंधित अधिकारियों के समक्ष पैरोल एक्सटेंशन के लिए आवेदन दे सकता है और यदि आवश्यक हो तो अपीली सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट का रुख फिर से कर सकता है।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर रोजगार मेला

नयी दिल्ली, 14 जून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर 19 जून को दिल्ली कांग्रेस पार्टी तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मैगा जॉब फेयर आयोजित करेगी।
दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र

- दिल्ली कांग्रेस 19 जून, राहुल गांधी के जन्मदिन पर तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में एक मैगा जॉब फेयर आयोजित करने जा रही है।

यादव ने शनिवार को मीडियाकार्मियों से कहा कि दिल्ली कांग्रेस और युवा कांग्रेस मिलकर 19 जून को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मैगा जॉब फेयर का आयोजन करेगी, जिसमें लगभग 100 प्रमुख कंपनियां 5000 से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 14 जून। मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा तो कर दी, लेकिन भाजपा के बहुत सारे लोग इस बात को लेकर चिन्तित हैं कि इससे हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा नष्ट हो जायेगी। इधर, कांग्रेस में भी जातिगत जनगणना को लेकर मिले-जुले विचार हैं तथा कुछ गुप्ों की ओर से विपक्ष पर राजनैतिक, रणनीतिक तथा लॉजिस्टिक चिंताओं का आरोप लगाया जा सकता है। यहाँ हम उन प्रमुख कारणों का विश्लेषण प्रस्तुत कर रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर कुछ लोग राहुल गांधी द्वारा समर्थित एवं प्रोत्साहित जाति गणना के विरोध में क्यों हैं या वे पूरी तरह इसका समर्थन करने में क्यों हिचक रहे हैं।

- बेचैनी का कारण है, कांग्रेस का परम्परागत समर्थक वोट, सर्वर्ण वोट, इस “कास्ट सैन्सस” के नतीजों के बारे में आशंकित है तथा कांग्रेस की पुराने नेताओं को इस वोट बैंक के खिसकने का भय है।
- इन वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि मतगणना के कारण ओबीसी आदि का आरक्षण बढ़ाने का दबाव बढ़ेगा। पर, इस आरक्षण बढ़ने का लाभ क्षेत्रीय पार्टियों को, जैसे, सपा, आरजेडी, बसपा, जेडी (यू) को ही मिलेगा, जो अधिकतर जात आधारित पार्टियाँ मानी जाती हैं।
- जानकार लोगों का यह भी कहना है कि 2011 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सामाजिक, आर्थिक व जातिगत आधार पर जनगणना करवाई थी। पर, इस सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होने दी थी, क्योंकि सर्वे का नतीजा शायद कांग्रेस के पक्ष में नहीं था।

पहली बात कांग्रेस को परम्परागत रूप से कई राज्यों में अगड़ी जातियों, खासतौर से ब्राह्मणों का समर्थन मिलता रहा है। जातिगत जनगणना से चोर असमानताएं खुलकर सामने आ सकती हैं

तथा आरक्षण को फिर से तय किये जाने की माँग उठ सकती है तथा इससे अगड़ी जातियों के मतदाता परेशान एवं नाराज हो सकते हैं। दूसरी बात, कांग्रेस एक व्यापक-जनाधार

वाला राजनैतिक संगठन है, जिसमें विभिन्न जातियों और राज्यों के नेता शामिल हैं। हाल ही के वर्षों में राहुल गांधी तथा कुछ अन्य नेताओं ने जातिगत जनगणना का समर्थन किया है तथा

राजस्थान में 20 जून को मानसून आएगा

जयपुर, 14 जून। भीषण गर्मी से जूझ रहे राजस्थानवासियों को जल्द राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग जयपुर के अनुसार, राज्य में 20 जून के आसपास मानसून के प्रवेश की प्रबल संभावना है। इस दिशा में संकेत पहले

- भारतीय मौसम विभाग ने तेज बारिश के संकेत दिए और कहा, 14 जून से जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों, बीकानेर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर व भरतपुर में बादल छाने, आंधी व छिटपुट बारिश की संभावना है।

ही मिल चुके हैं, क्योंकि वर्तमान में प्रदेश के कई हिस्सों में ग्री-मानसून गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में एक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उचीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं, इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति व पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गांव में शुरू हुआ। जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्रायः उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए

याचना करते थे।मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवनों की गुणवत्ता को कम करती है,बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया। शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई,जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है,और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया,जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहनेसे मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है। इस प्रकार,मेरी कहानीआपकोयह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पानेहेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं,बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो। अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं।मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुलकरकिया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए। शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्रायः शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वह व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गांव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गांव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया। शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में,जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में,व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसरप्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती हैउसमें सतत विकास की संभावनाएँ घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती

जाती है। फलतः, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है। गरीबी को मिटाने के लिएएशिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है,प्राकृतिक

आपदाओं के प्रभाव को कम करता है,और स्वच्छ जल,वायुऔर मृदाप्रदान करता है। इस प्रकार,पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रोंके साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए,गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संवय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं। इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सद्दृ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप मेंहमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें। इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्रलेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों,परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समटा विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। इस विश्रलेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएँ कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं,पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्रलेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियों और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे,जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समटा प्रगति भी सुनिश्चित होगी। हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्रलेषण को इस आशा और विश्रवास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समटा विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।इससे न केवल हमारे देश की समटा उन्नित सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अटासर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समटा दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिएहमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेंगे, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेंगे, जिससे नवाचारी और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके।अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय (इंडियन फॉरेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर) (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

संपादकीय

सरकार ने समझा जल स्रोतों का महत्व

मुख्यमंत्री की दूरदर्शी पहल: वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान



नवधा परदेशी

मरुधरा के दक्षिण छोर पर बसा प्रतापगढ़ जिला अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ प्राकृतिक के सम्पदा व जल स्रोतोंमें भी सुसमृद्ध है। इस जनजातीय क्षेत्र की जीवन रेखा है जाखम बाँध। जाखम सिर्फ पानी का भंडार नहीं, बल्कि प्रतापगढ़ के सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक जीवन से जुड़ा हुआ बहुमूल्य संसाधन भी है।

जल स्रोत सिर्फ ग्रामीण भारत के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण देश के लिए आधार हैं। बढ़ते शहरीकरण, घटती वर्षा और गिरते भूजल स्तर ने जल संकट को एक गंभीर चुनौती बना

दिया है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो गया है कि हम पारंपरिक जल स्रोतों की ओर लौटें, वर्षा जल का संरक्षण करें और जनसहभागिता के साथ जल संरक्षण के लिए प्रयासों को मजबूत करें। इसी दिशा में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किया गया “वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान” एक दूरदर्शी पहल है। यह अभियान केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि जन-जन को जागरूक और प्रेरित करने का एक सामूहिक प्रयास है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है – जल स्रोतों का संरक्षण, भूजल स्तर का पुनर्जीवन और एक ऐसे भविष्य की नींव रखना जहाँ हर बूँद का मूल्य समझा जाए। जल संरक्षण अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुका है। जाखम बाँध जैसे उदाहरण हमें सिखाते हैं कि जब हम जल को बचाते हैं, तो हम जीवन को बचाते हैं। “वंदे गंगा” जैसे अभियानों से यह विश्वास जागता है कि सामूहिक प्रयासों से बदलाव संभव है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहाँ करोड़ों लोग खेती पर निर्भर हैं, जल स्रोतों की उपलब्धता ही फसल का जीवन तय

■ **समृद्ध वन व हरियाली के बीच खुशहाली का प्रतीक है, विकास की गंगा-जाखम बांध**

करती है। दुःख की बात यह है कि आधुनिक विकास के नाम पर हमने इन स्रोतों की अनदेखी की है। अंधाधुंध दोहन, शहरीकरण और लापरवाह जल प्रबंधन ने इन जीवनदायिनी संरचनाओं को संकट में डाल दिया है। भूमिगत जलस्तर गिरता जा रहा है, प्राकृतिक जलाशय सिकुड़ते जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन इस संकट को और भी गहरा बना रहा है। जल के बिना जीवन की कोई कल्पना नहीं – यह सिर्फ एक कथन नहीं, बल्कि सच्चाई है। राजस्थान सरकार ने समझा कि यह आज जरूरत है कि हम सभी इस दिशा में आगे आएँ – सरकार, समाज और हर व्यक्ति – ताकि अगली पीढ़ी को जल की कमी नहीं, शुद्ध और साफ जल का उपहार मिले। क्योंकि जल है, तभी कल है।जनजाति क्षेत्र में हजारों लोगों को लाभान्वित कर रहा जाखम

बाँध: कांठल की जीवन रेखा पक्षियों की आवाज, पर्वतों का फैलाव, मानसून में बादलों की अद्वितीय छाया के बीच जाखम बांध एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है।

कांठल प्रदेश में घने जंगलों और इसके किनारों पर असंख्य झाड़ियों के साथ बारहमासी जाखम नदी सीतामाता अभयारण्य और कांठल क्षेत्र की जीवन रेखा है। बांध क्षेत्र की एक प्रमुख सिंचाई परियोजना है। जाखम सिंचाई परियोजना राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में स्थित एक प्रमुख जल परियोजना है, जो जाखम नदी पर निर्मित की गई है। इसका निर्माण 1010 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले जलटाहण क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए किया गया है। परियोजना का कुल अनुमानित टॉस स्टोरेज 142.02 मिलियन क्यूबिक मीटर और लाइव स्टोरेज 132.28 मिलियन क्यूबिक मीटर है। यह बांध लगभग 81 मीटर ऊंचा है। यह परियोजना लगभग 28 हजार 319 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करती है और औसतन 23 हजार 505 हेक्टेयर क्षेत्र को प्रतिवर्ष

सिंचित करती है। इसमें दो मुख्य नहरें हैं – बाएं तरफ 39.9 किलोमीटर और दाएं तरफ 34.12 किलोमीटर लंबी – जिनसे क्रमशः 7.53 और 3.54 क्यूमेक्स जल आपूर्ति होती है। परियोजना के अंतर्गत कुल 121 गांवों को लाभ मिलता है, जिनकी कुल अनुमानित जनसंख्या लगभग 1.1 लाख है। इसका महत्व देखते हुए बजट 2024-25 में राज्य सरकार ने 3 हजार 530 करोड़ रुपये की लागत से जाखम बाँध आधारित वृहद पेयजल परियोजना की घोषणा की है। इस परियोजना के तहत चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर जैसे जिलों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यह परियोजना राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र में जल संकट से निपटने और जनजातीय व ठामीण आबादी की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

लेखक परिचय
नवधा परदेशी
सहा. जनसंपर्क अधिकारी
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

फादर्स डे पितृ सम्मान दिवस



डॉ. जे.के. गर्ग

किसी ने पूछा –‘वो कौन सी जगह है जहाँ हर गलती, हर जुर्म और हर गुनाह माफ हो जाता है?’ नन्हा बच्चा मुस्कुराया और बोला–‘मेरे पापा का दिल’। सच्चाई तो यही है कि हम अपने पापा की छत्र छाया में रह कर कब बड़े और युवा हो जाते हैं यह हमको मालूम ही नहीं हो पाता है। निःसंदेह पापा, पिता, अब्बू, डेडी ही दिन-रात अपने बच्चे के लिए जीते-मरते रहते हैं, उनकी हर इच्छा को पूरा करने वाले के लिये हर सम्भव कोशिश भी करते हैं। पिता के जीवन का एक मात्र काम होता है अपने बेटे-बेटियों को जीवन की सारी खुशियाँ देना और उन्हें एक कामयाब एवं योग्य मनुष्य बनाना, वे अपने बच्चों की खुशियों के खातिर खुद की सारी सुखियाँओ को छोड़ देते हैं, खुद अभाव और तकलीफ में रह कर अपने बच्चों को सुख-सुविधाओं के समस्त साधन उपलब्ध करवाते हैं। बच्चों के लालन-पालन, पक्वरीश, शिक्षा आदि में माँ के योगदान के साथ-साथ पिता का योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता है। वास्तविकता तो यही है कि पिता ही

बालक के लिये एक सच्चा दोस्त, पथ प्रदर्शक, गाइड, रोलमॉडल एवं गुरु भी होता है। हर पिता अपने बेटे-बेटियों को जीवन में आने वाली बाधाओं का सामना करने के काबिल बनाता है और उनकी शिक्षा के लिये भरपूर प्रयास करता है। पिता ही अपने बच्चों को अच्छे-बुरे का भेद समझाता है। किसी ने सही ही कहा है कि ‘पिता भगवान् के दुवारा भेजे गये धरती पर देव दूत ही होते हैं’। हमारे वेद, पुराण, दर्शनशास्त्र, स्मृतियाँ, महाकाव्य, उपनिषद् आदि सब माता-पिता की अपार महिमा के गुणगान से भरे पड़े हैं।

असंख्य ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों, पंडितों, महान्माओं, विद्वानों, दर्शन शास्त्रियों, साहित्यकारों और कलाकारों ने भी माता-पिता के प्रति पैदा होने वाली अनुभूतियों को कलमबद्ध करने का भरसक प्रयास किया है। सच्चाई तो यही है कि –‘त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव। त्वमेव विद्या च द्रविणम त्वमेव, त्वमेव सर्वमम देव देवः।’

हमारी संस्कृति में तीन प्रकार के ऋण यानि राष्ट्रऋण, पित्रऋण और गुरु ऋण का उल्लेख किया जाता है एवं हर इन्सान से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने सुकृत्यों से इन तीनों ऋण से ऊर्द्ध्व होने का भरपूर प्रयास करें। सच्चाई तो यही है कि बच्चे अपने पिताजी के कर्ज से अपने आपको कभी भी मुक्त नहीं कर सकते हैं। हम सभी को पित्रऋण को चुकाने के लिये हर मुमकिन कोशिश करनी चाहिए तथा अपने पिताजी की सुख-सुविधाओं का ध्यान रख उनकी देख भाल करनी

चाहिए।

फादर्स डे या पितृ सम्मान दिवस मात्र पिताजी का ही नहीं वरन दादाजी, नानाजी, पड दादी-दादाजी, पड नानी-नाजी एवं समस्त पितृ तुल्य स्वजनों, मित्रों एवम् समस्त परिचितों के प्रति सम्मान-आदर व्यक्त करने का दिवस है। दुनियाभर में फादर्स डे पर सभी वर्गों के स्त्री-पुरुष यानि युवक-युवतियाँ, बेटे-बेटियाँ, ग्रीड स्त्री-पुरुष अपने बुजुर्ग पिता और समस्त पितृ तुल्यों के प्रति उनकी सेवाओं, योगदान, मार्गदर्शन को याद कर अपना आभार और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

फादर्स डे पर स्वजन अपने पिताजी एवम् पितृ तुल्य व्यक्तियों को बाहर सैर सपाटे के लिये ले जाते हैं तथा उनके साथ समय बिता कर उन्हें विश्वास दिलाने हैं कि आप अकेले नहीं हैं हम सभी बच्चे आपके साथ हैं तथा आपको सेवा सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। फादर्स डे पर बच्चे, चाहे वे कहीं भी हो उन्हे उपहार भेज कर इस बात की शपथ लेते हैं कि वे सभी उनके प्रति अपने सभी कर्तव्यों को जीवन पर्यंत पुरी निष्ठा के साथ पूरा करेंगे। मुझे कई बार अमेरिका जाने का अवसर मिला है वहां पर भारतीय समुदाय फादर्स डे पर विशाल स्तर पर पिकनिक का आयोजन करता है एवं इस पिकनिक में सभी पुरुष वर्ग के बुजुर्गों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद कर उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं, इस अवसर पिता एवम् पितृतुल्य व्यक्तियों के चेहरों पर आई मुस्कान जहाँ उन्हे आत्मसंतोष तो देती है वहीं उनको युवाओं के समान स्फूर्ति भी प्रदान करती है। मुझे कई बार

अमेरिका जाने का अवसर मिला है वहां पर भारतीय समुदाय फादर्स डे पर विशाल स्तर पर पिकनिक का आयोजन करता है एवं इस पिकनिक में सभी पुरुष वर्ग के बुजुर्गों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद कर उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं, इस अवसर पिता एवम् पितृतुल्य व्यक्तियों के चेहरों पर आई मुस्कान जहाँ उन्हे आत्मसंतोष तो देती है वहीं उनको युवाओं के समान स्फूर्ति भी प्रदान करती है।

फादर्स डे मनाने के बारे में मार्मिक कहानी है। 1909 में व्याय.एम.सी ए स्पोकेन- वाशिंगटन की निवासी सोनोरा स्मार्ट दोह ने मदर्स डे के बारे में सुना था।सोनोरा स्मार्ट दोह अपने पिताजी का हृदय से सम्मान करती थी, क्योंकि उसके पिताजी ने अकेले ही उसके 6 भाई-बहिनों का लालन-पालन किया था। अपने पिताजी के प्रति आदर सम्मान को व्यक्त करने हेतु सोनोरा स्मार्ट दोह भी मदर्स डे के समान फादर्स डे मनाना चाहती थी इसीलिये उसने अपने मन की बात अपने मित्रों एवं स्वजनों के समाने प्रकट करते हुए फादर्स डे के समान ही फादर्स डे को मनाने का विचार प्रस्तुत किया।इस सम्बंध में सोनोरा स्मार्ट दोह ने अपने शहर के स्थानीय पादरी से मदर्स डे के समान फादर्स डे को आयोजित करवाने की प्रार्थना की, जिसे कुछ समय बाद पादरी महोदय ने स्वीकार कर लिया। पादरी महोदय के सरमन पर अनुपालना में 19 जून 1910 को पहली बार फादर्स डे बनाया गया। इसी परम्परा के अनुसार प्रति वर्ष जून

महिने के तीसरे रविवार को अमेरिका एवम् कई अन्य देशों में फादर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। पिछले कई सालों से विदेशो के साथ-साथ भारत में भी खासकर युवा वर्ग फादर्स डे को धूमधाम से मनाने लगा है।

प्रति वर्ष जून माह के तीसरे रविवार को संसार के विभिन्न देशों में फादर्स डे मनाया जाता है। 15 जून 2025 को फादर्स डे मनाया जाएगा। वास्तव में किसी ने सही कहा है पापा सबसे स्पेशल हैं क्योंकि जब कभी हमें तकलीफ होती है तो वो हमारा हाथ पकड़ कर हमें सहारा देते हैं एवं हिम्मत देते हैं, जब कभी हम जानें-अनजाने में नियमों का उल्लंघन करते हैं तो वे हमें डाटते-फटकारते हैं, जब कभी हमें सफलता मिलती है उस क्षण गर्व से उनका सीना 56 इंच चौड़ा हो जाता है एवं उनका चेहरा फुलक उठता है। हमारी भारतीय संस्कृति के अंदर हम को प्रत्येक अच्छी चीज या आदत अथवा गुण को स्वीकार करने को कहा गया जो हममें प्रकट हो और उन पुरानी प्रथाओं को त्यागने की सलाह दी जाती जो सर्व हित में नहीं हो। अत फादर्स डे या पितृ सम्मान दिवस को जो चाहे पश्चिमी देशों से आया हो, को अपनाने और समस्त वर्द्ध अशक्त पिता, दादा, नाना-नानी और आसपास के वृद्धजनों का सम्मान करने एवं उनकी देखभाल करने और उनकी जिंदगी को खुशहाल बनाने की परम्परा को अपना ही चाहिए।

आईये आज फादर्स डे पर हम सभी संकल्प लें कि-‘हम अपने आप को पिता के प्रेम के योग्य बनायेंगे।

विश्व रक्तदान दिवस पर 62 जनों ने रक्तदान किया

हिंडौन सिटी। भारत विकास परिषद, शाखा हिण्डौन सिटी एवम् जिला चिकित्सालय, हिण्डौन सिटी के संयुक्त तत्वाधान में निर्मल ए टाुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, हिण्डौन सिटी के सहयोग से जिला चिकित्सालय परिसर में "विश्व रक्तदाता दिवस" के अवसर पर आयोजित स्वीच्छक रक्तदान शिविर में भीषण गर्मी के बावजूद 62 जनों ने रक्तदान किया। शिविर में पिता – पुत्री, पति – पत्नी के अलावा 12 जनों ने प्रथम बार रक्तदान किया। शाखा सचिव दीनदयाल सिंघल ने बताया कि शिविर को मुख्य अतिथि हिण्डौन उपजिला कलेक्टर हेमराज गुजर, प्रमुख

■ **एक दर्जन से अधिक पिता-पुत्री एवं पति-पत्नी ने किया रक्तदान**

चिकित्सा अधिकारी डॉ पुणेन्द्र गुप्ता, शाखा अध्यक्ष उपेन्द्र गुप्ता एवम् मामाशाह मनीष चौधरी ने भारत माता एवम् स्वामी विवेकानन्द जी के चित्रपट पर माल्यार्पण एवम् दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगीत से विधिवत् आरम्भ किया। उपजिला कलेक्टर श्री गुजर ने मौसम के कठोर मिजाज की परवाह न कर परिषद् व जिला चिकित्सालय के शिविर में मुक्ता अठावाल प्रथम रक्तदान बनी।

आयोजित करने एवम् रक्तदाताओं द्वारा स्वीच्छक रक्तदान करने को सच्ची मानवसेवा बताते हुए इसकी सराहना की। उदघाटन सत्र समाप्ति में गुजरत में विमान दुर्घटना में हुई लोगों की जंहाजिन पर दो मिन्ट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम का संचालन प्रतीय प्रभारी पंकज जैन ने किया। रक्तदान प्रभारी मोहित मित्तल ने बताया कि परिषद् एवम् जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वीच्छक रक्तदान शिविर में भीषण गर्मी के बावजूद भी खासा जोश रहा। शिविर में मुक्ता अठावाल प्रथम रक्तदान बनी।

वहीं मोनिका पत्नी डॉ बुजेश चौधरी, मुक्ता अठावाल पत्नी अनिल सिंघल, कनिका अठावाल पुत्री विनोद अठावाल ने साथ में रक्तदान किया। शिविर में 12 रक्तदाताओं ने प्रथम बार रक्तदान किया। शिविर में कुल 62 यूनिट रक्त सठाणण हुआ इसमें जयपुरिया अस्पताल, जयपुर ने 43 एवम् जिला चिकित्सालय, करौली ब्लड बैंक ने 19 यूनिट रक्त सठाणण किया। हिण्डौन, जिला चिकित्सालय के ब्लड स्टोरेज को जयपुरिया अस्पताल, जयपुर ने वक्त जरूरत हेतु आज 30 यूनिट रक्त उपलब्ध कराते हुए मरद ब्लड बैंक की भूमिका निभाई। प्रतीय सेवा गतिविधि

संयोजक देवेन्द्र शर्मा ने शिविर में रक्तदान करते हुए बताया कि परिषद् का रक्तदान शिविर आयोजित करने का मूल उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में बनी भय, भ्रम, प्रतियोगी को दूर कर उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित करना है, उन्होंने प्रचण्ड गर्मी में पति – पत्नी, पिता – पुत्री एवम् प्रथम बार रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं की सराहना की। हिण्डौन शहर भावपा मण्डल अध्यक्ष बबली चतुर्वेदी एवम् अन्य लोगों ने रक्तदान के प्रति रक्तदाताओं के जोश को देखते हुए संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वीच्छक रक्तदान शिविर की प्रशंसा की।

राशिफल रविवार 15 जून, 2025



पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र दिन 3:51 तक, ऐन्द्रयन योग सायं 4:48 तक, बालव करण दिन 3:51 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेघ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।
आज आषाढ़ संक्राति, राजस संक्राति है। सूर्य मिथुन में प्रातः 6:44 पर प्रवेश करेगा। पुण्य काल प्रातः 6:44 से दिन 12:39 तक है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:36 तक, शुभ 2:09 से 3:52 तक।
राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:17



मेघ

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियाव्यवण होगा।



वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।



मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।



कर्क

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिवर्जनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



सिंह

स्वास्थ्य ठीक रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।



कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे।



तुला

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।



धनु

आर्थिक कार्यों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित बातों संभव है। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे।



मकर

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बनेंगे। आज परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।



कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।



मीन

आर्थिक कार्यों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।



मुख्यमंत्री निवास पर ब्रह्मधाम आसोतरा के गादीपति, परम पूज्य तुलछराम महाराज से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भेंट कर उनका स्नेहाशीष प्राप्त किया।

कांग्रेस में जातिगत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जातियों की पहचान को लेकर विवाद हो सकते हैं।

कुछ कांग्रेस नेताओं को यह भी चिंता है कि यह प्रक्रिया बाँटने वाली तथा जटिल हो सकती है तथा इसमें गलतियों की काफी संभावनाएँ हैं। कुल मिलाकर, यह समाज में नए तनाव पैदा कर सकती है।

भारत में आखिरी बार जातिगत आंकड़े 1931 में एकत्रित किए गए थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) करवाई थी, लेकिन जातिगत आंकड़े जारी नहीं किए गए, क्योंकि इनमें विसंगतियाँ बताई गई थीं। किन्तु आलोचकों का कहना है कि कांग्रेस उस समय राजनीतिक जोखिम से बचना चाहती थी, क्योंकि वे आंकड़े आरक्षण नीति और सामाजिक समीकरणों को बदल सकते थे।

हालिया वर्षों में राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं ने जाति जनगणना का समर्थन खुलकर करना शुरू इसलिए किया है, क्योंकि वे सामाजिक न्याय और संसाधनों के पुनर्वितरण पर जोर देना चाहते हैं।

लेकिन पार्टी के भीतर विरोध की प्रमुख वजहें हैं जैसे, राजनीतिक समीकरण, जातिगत ध्रुवीकरण का डर, पारंपरिक वोट बैंक के दूर छिटक जाने की चिंता, इस मुद्दे पर ऐतिहासिक अनिर्णय।

विशेष रूप से भाजपा की ओबीसी वर्ग में बढ़ती पहुंच और क्षेत्रीय सहयोगी दलों के दबाव के मद्देनजर, कांग्रेस अब इस मुद्दे पर अपना रुख अधिक स्पष्ट करती दिख रही है।

राजस्थान का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुल 23 लाख 33 हजार 162 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और 13 लाख 15 हजार 853 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए थे।

इस वर्ष अनारक्षित श्रेणी के 689366, अनुसूचित जाति के 333646, अनुसूचित जनजाति के 150224, अन्य पिछड़ा वर्ग के 948507, ईडब्ल्यूएस के 154326 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छात्रों की संख्या 965996 और छात्राओं की संख्या 1310062 रही। इस वर्ष की परीक्षा में 939 विदेशी अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि 11 उभयलिंगी (थर्ड जेंडर) शामिल हुए।

इज़रायल-ईरान युद्ध से खाड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे अमेरिका और यूरोपीय संघ – के इशारों पर चलने के मामले में इज़रायल का व्यवहार पाकिस्तान से अलग नहीं है। वह एक रणनीतिक कठपुतली बन गया है और उसकी एकरूपा कार्रवाहियाँ पूरे मध्य पूर्व को खतरे में डाल रही हैं। प्रो. पाशा ने यह भी कहा कि भारत सरकार को इस संकट के समय आगे आकर अपने इज़राइल और ईरान दोनों के साथ वर्षों पुराने संबंधों का उपयोग कर विवाद के कूटनीतिक समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए।

भारत, जिसने अब तक दोनों देशों के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को संतुलित रूप से बनाए रखा है, अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। नई दिल्ली जहां एक ओर इज़राइल के साथ मजबूत रक्षा और तकनीकी साझेदारी रखता है, वहीं ईरान के साथ उसके सांस्कृतिक, आर्थिक और ऊर्जा संबंध भी गहरे हैं। वर्षों से भारत ने ईरान में बुनियादी ढांचे और ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे चावहार बंदरगाह, में निवेश किया है, जो उसकी

कोमा में गया कर्मचारी सेवानिवृत्ति तक नियमित वेतन का अधिकारी

जयपुर, 14 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली विभाग के कर्मचारी के कोमा में जाने पर उसे सेवानिवृत्ति तक नियमित वेतन का अधिकारी माना है। अदालत ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को कहा है कि वह मेडिकल टीम के जरिए कर्मचारी की दिव्यांगता की जांच दो सप्ताह में पूरी करे तथा मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दिव्यांगजन अधिनियम की धारा 20 के तहत निर्णय ले। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश कर्मचारी लक्ष्मण सेन की पत्नी गुडिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पति जेवीवीएनएल में तकनीकी सहायक हैं। एक दुर्घटना में घायल होकर वे कोमा में चले गए। इसके बाद बिजली कंपनी ने उनका वेतन बंद कर दिया, जबकि दिव्यांगजन अधिनियम की धारा 20 में प्रावधान है कि यदि कोई कर्मचारी दिव्यांग हो जाए तो उसे उसकी सेवानिवृत्ति की उम्र तक

नयी दिल्ली, 14 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 से 18 जून के बीच कैनडा, साइप्रस और क्रोएशिया की यात्रा पर जाएंगे और कैनडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि मोदी पहले चरण में साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिडिस के निमंत्रण पर 15-16 जून, 2025 को वहां की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की यह पहली यात्रा होगी। मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में, कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर जी-7 शिखर सम्मेलन

आज विदेश यात्रा पर रवाना होंगे प्र.मंत्री मोदी

नयी दिल्ली, 14 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 से 18 जून के बीच कैनडा, साइप्रस और क्रोएशिया की यात्रा पर जाएंगे और कैनडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि मोदी पहले चरण में साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिडिस के निमंत्रण पर 15-16 जून, 2025 को वहां की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की यह पहली यात्रा होगी। मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में, कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर जी-7 शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार, विशेष रूप से एआई-ऊर्जा गठजोड़ और क्वांटम से संबंधित मुद्दों सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर जी-7 देशों के नेताओं, अन्य आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। मोदी अपने दौर के अंतिम चरण में, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री अंद्रेज प्लेनकोविच के निमंत्रण पर 18 जून को वहां की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मोदी अपने दौर के अंतिम चरण में, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री अंद्रेज प्लेनकोविच के निमंत्रण पर 18 जून को वहां की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिसंस्करण तंत्र सक्रिय है तथा एक पश्चिमी विशोष भी प्रभावी है। इससे मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 14 जून से प्रदेश के कई जिलों-जैसे जयपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर व भरतपुर-में बादल, तेज आंधी (50-60 किमी/घंटा), बिजली की गरज-चमक और बारिश की गतिविधियां देखी जा रही है।

इन बदलावों के चलते अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट आ सकती है, जिससे गर्मी से राहत मिलेगी। विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि 20 जून के बाद प्रदेश में मानसून की बारिश की तीव्रता और विस्तार में बढ़ोतरी होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि मानसून समय पर और पूरी सक्रियता के साथ आता है, तो यह कृषि क्षेत्र के लिए बेहद शुभ संकेत होगा। इससे जल स्तर में सुधार और खेतों की बुवाई में तेजी आ सकेगी। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी दी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

इसके जवाब में बिजली कंपनी की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता के पति की ओर से दिव्यांगता को लेकर कोई प्रमाण पत्र नहीं दिया है। ऐसे में उन्हें नियमित वेतन का लाभ नहीं दिया गया। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने बिजली कंपनी को दो सप्ताह में याचिकाकर्ता के पति की मेडिकल जांच कर रिपोर्ट के आधार पर धारा 20 के तहत आगामी कार्रवाई करने को कहा है।

इज़रायल के रक्षा मंत्री ने चेतावनी दी, मिसाइलें दागना बंद नहीं किया तो “तेहरान जलेगा”

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 14 जून। यरूशलम द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए अनायास और अनुचित मिसाइल हमलों से भड़के ईरान ने शुक्रवार रात को तेहरान के परमाणु टिकानों और मिसाइल अड्डों पर इज़राइली हमलों के जवाब में इज़राइल पर भारी मिसाइल हमला किया, जिससे तेल अवीव में कई सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा है।

दोनों देश एक तीव्र संघर्ष में उलझ चुके हैं, जो दुनिया को वैश्विक युद्ध की ओर धकेल सकता है। इज़राइल का यह दावा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के कगार पर है, निराधार प्रतीत होता है, जैसा कि अमेरिका ने इराक के खिलाफ झूठा आरोप लगाया था कि सद्दाम हुसैन के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं, जो अंततः पूरी तरह गलत साबित हुआ।

विशेषज्ञों ने कहा, इसी रणनीति को दोहराते हुए, ट्रम्प प्रशासन के समर्थन से इज़राइल मीडिया में जोर-शोर से ऐसा प्रचार कर रहा है, ताकि ईरान पर हमलों को उचित ठहराया जा सके, तेहरान ने लगातार यह कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह किसी भी तरह के परमाणु हथियार कार्यक्रम में शामिल नहीं है। ईरान के शुक्रवार रात और शनिवार

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

केंद्र सरकार ने इस 11 सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की जो तीन माह में रिपोर्ट देगी

नयी दिल्ली, 14 जून। सरकार ने यह है, क्योंकि उन्होंने स्वयं अपने पिता को अहमदाबाद से लंदन जाने वाले एयर एक दुर्घटना में खोया है। उन्होंने कहा इंडिया के विमान की गुरुवार को हुए दुर्घटना की समग्रता से जांच के लिए वे अहमदाबाद में घटनास्थल पर पहुंचे तो गुजरात सरकार की एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में लगे थे। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में तकनीकी जांच शुरू कर दी है। इस जांच से उत्तर मिलेगा कि तकनीकी स्तर पर क्या कमी या चूक हुई थी।

नायडू ने कहा, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल रहे रहे हैं। अहमदाबाद हवाईअड्डे के पास हुए हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं... मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया, ताकि देख सकूँ कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहोदाय प्रदान की जानी चाहिए और यही रवैया गुजरात

17 जून से कश्मीर के पर्यटन स्थल फिर से खुलेंगे

श्रीनगर, 14 जून। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने आगामी मंगलवार, यानि 17 जून से राज्य के कई पर्यटन स्थलों और उद्यानों को जनता के लिए पुनः खोलने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों के बाद इन्हें बंद कर दिया गया था। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखे पोस्ट में कहा कि अन्य पर्यटन स्थलों की भी चरणबद्ध तरीके से दोबारा खोला जाएगा। उन्होंने कहा मैंने जम्मू एवं कश्मीर डिविजनों के उन कुछ पर्यटनस्थलों को दोबारा खोलने का आदेश दिया है जिन्हें सुरक्षा कारणों से एहतियाती

तौर पर अनिश्चितकाल के लिये बंद कर दिया गया था। पहलगाम बाजार में बैताब घाटी एवं पार्क, वेरीनाग पार्क, कोकनाग पार्क और अचहालब पार्क 17 जून से पर्यटकों के लिये दोबारा खोल दिये जाएंगे। उपराज्यपाल ने कहा दोबारा खुलने वाले अन्य पर्यटनस्थलों में श्रीनगर स्थित बादमवारी पार्क, डक पार्क, तकदीर पार्क, कटुआ में सार्थल घागर, रईसी में देवी पिंडी, सियाद बाबा एवं सूला पार्क, डोडा में गुलदंदा एवं जय घाटी और ऊधमपुर में पंछेरी शामिल हैं।

जिसमें बुनियादी ढांचे पर अप्रत्यक्ष हमले या क्षेत्रीय टैकनों को खतरे शामिल हों तो तेल की कीमतें 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। सबसे खराब स्थिति में, यदि होरमुज जलदमरूमध्य में पूरी तरह से नाकेबंदी या हमला होता है, कीमतें 120 डॉलर के पार जा सकती हैं, जिससे भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए भारी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में, महंगाई नाटक की रूप से बढ़ेगी, रुपया गिरावट का सामना करेगा, और तेल केंद्र सरकार को प्राथिक्यात्मक उपायों के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल बॉन्ड, उत्पाद शुल्क कटौती, और आयातविविधीकरण जैसी नीतिगत कुशलिंग कुछ राहत दे सकती हैं, लेकिन मूल समस्या बनी रहती है कि भारत की आर्थिक मशीनरी अब भी अस्थिर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार वि गरिप्त है, जहाँ भारी उतार-चढ़ाव है।

इज़राइल-ईरान संघर्ष ने भले ही भारत के हिੱतों को सीधे निशाना नहीं बनाया हो, लेकिन इसके आर्थिक झटके पहले से ही महसूस किए जा रहे हैं। जब

तक वैश्विक कूटनीति आगे बढ़कर तनाव को नियंत्रित नहीं करती, भारत का एक बार फिर बाहरी तेल संकट से जुझना पड़ सकता है, जो भी ऐसे समय में बड़ा हमला अपनी वृद्धि की गति को सुदृढ़ करने की कोशिश कर रहा है। ऊर्जा सुरक्षा की लड़ाई अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई बल्कि यह वास्तविक समय में घट रही है।

नाबालिग का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर बुलाया था और फिर वह उसे ट्रेन में बैठाकर अहमदाबाद ले गया। जहां उसे एक कमरे में रखा और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। वहीं, बाद में पुलिस और उसके परिजन आकर उसे ले आये। दूसरी ओर, अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसके और पीड़ित पक्ष के बीच रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। ऐसे में द्वेषता के चलते उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

आरोपी पति को भारत डिपोर्ट करने के लिए क्या कार्रवाई की गई

जयपुर, 14 जून। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-2, महांगिरा द्वितीय ने पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित और मारपीट करने से जुड़े मामले में पासपोर्ट कार्यालय से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। पीठासीन अधिकारी कंचन सिंह राजावन ने पासपोर्ट अधिकारी से 4 अगस्त तक यह रिपोर्ट देने के लिए कहा है कि उन्होंने एक अक्टूबर 2024 के आदेश के पालन में क्या कार्रवाई की और आरोपी को भारत डिपोर्ट कराने के लिए क्या प्रयास किए। अदालत ने कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह स्पष्ट हो कि उन्होंने कोर्ट के आदेश की पालना में आरोपी का पासपोर्ट और वीजा निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने यह आदेश पत्नी के प्रार्थना पत्र पर दिया।

पत्नी के अधिवक्ता वाईके गुप्ता ने बताया कि अदालत ने गत एक अक्टूबर को मुख्य कार्यकारी अधिकारी पासपोर्ट, जयपुर को निर्देश दिया था कि वे सेन्ट्रल अमेरिका में स्थित भारतीय दूतावास के जरिए आरोपी पति को कोर्ट में पेशी का निर्देश दें। यदि वह स्वयं के खर्च पर एक महीने में पेश नहीं हो तो उसके पासपोर्ट-वीजा निरस्त कर उसे भारत डिपोर्ट करने की कार्रवाई की जाए। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि अदालती आदेश के करीब सात माह बीतने के बावजूद, अब तक आदेश की पालना नहीं की गई है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने पासपोर्ट अधिकारी को निर्देश जारी किए हैं। गौरतलब है कि पत्नी ने पति के खिलाफ मई 2024 में पुलिस थाना महिला-108 में दहेज प्रताड़ना व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अधिकृत वेस्ट बैंक में पाँच फ़िलिस्तीनियों, जिनमें तीन बच्चे शामिल थे, की जान ले ली। तस्नीम न्यूज़ एजेंसी ने रिपोर्ट किया, तेहरान में शुक्रवार रात कई विस्फोटों की आवाज़ें सुनी गईं।

ईरानी मीडिया ने बताया, ईरानी सशस्त्र बलों के दो उप-सेनापतियों की मौत इज़राइली हमलों में हुई। यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी मृत्यु कब हुई, लेकिन उनकी मौत की जानकारी शनिवार को दी गई। फ़ार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे पर दो मिसाइलें गिरी, और ईरानी मीडिया ने वहाँ आग लगने की खबरें दीं। यह एयरपोर्ट ईरान के शीर्ष नेतृत्व के निकट स्थित है और वहाँ एक वायुसेना अड्डा भी है, जिसमें लड़ाकू और परिवहन विमान तैनात हैं। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरानी ने कहा कि इज़राइली हमलों में 78 लोग मारे गए, जिनमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं, और 320 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें अधिकांश नागरिक हैं।

दो अमेरिकन अधिकारियों ने बताया, अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को इज़राइल की ओर बढ़ रही ईरानी मिसाइलों को मार गिराने में मदद की। इज़राइल की सेना ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को 100 से कम मिसाइलें दागीं, जिनमें से अधिकांश को रोक लिया गया या वे लक्ष्य से चूक गईं।

दिनभर चले इज़राइली हमलों और उसके जवाब में हुई ईरानी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में व्यापक कड़वाहट का आशंका बढ़ा दी है, हालाँकि ईरान के सहयोगी शाजा में हमला और लेबनान में हिज़बुल्लाह पहले ही इज़राइल के हमलों में कमजोर हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी प्रमुख राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दे और इस्फ़हान में दो अन्य टिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

राफेल ग्रीसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नताज़ का